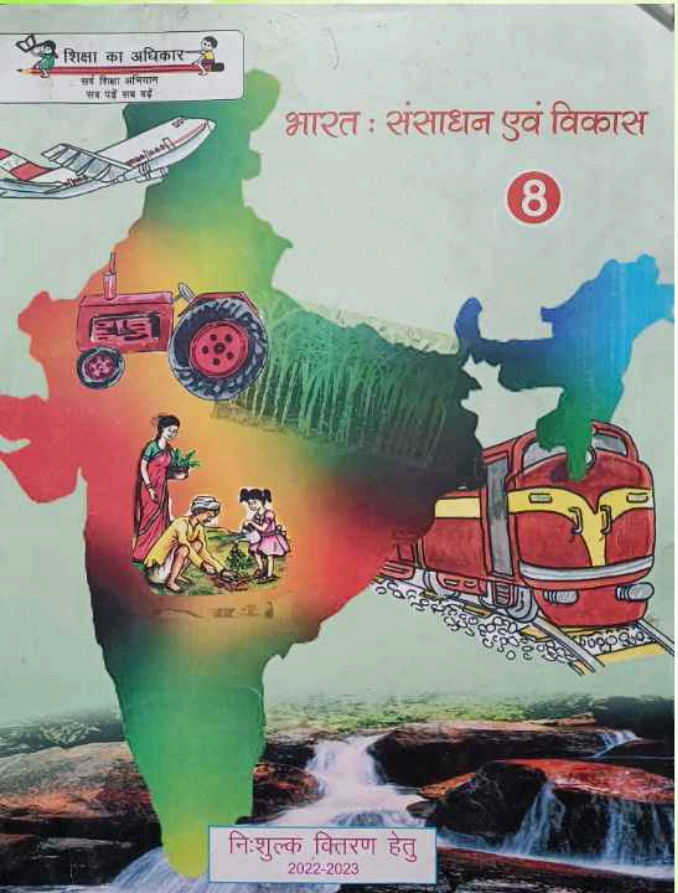

नोट्स

पारस जैन (स.अ.)
उ.प्रा.वि. चोरहा विनौरा
चित्रकूट (उ.प्र.)

संसाधन

कक्षा - 8
पाठ - 1

Paras Jain (A.T.)
U.P.S. Choraha Binaura Chitrakoot

1. कोई वस्तु या पदार्थ जिसकी उपयोगिता हो, संसाधन कहलाती है।
2. संसाधन होते नहीं, बल्कि प्रकृति में उपहार स्वरूप उपलब्ध विभिन्न वस्तुओं को मनुष्य अपने ज्ञान और तकनीकि के प्रयोग से उसे अपने लिए उपयोगी बनाता है।
3. धरती पर कोयला लाखों वर्षों से उपलब्ध था किन्तु कोयला तब संसाधन कहा जाने लगा जब मनुष्य ने उससे आग उत्पन्न करने की क्षमता की खोज की।
4. संसाधन तीन प्रकार के होते हैं –
   (i) प्राकृतिक संसाधन (ii) मानव निर्मित संसाधन (iii) मानव संसाधन
5. प्राकृतिक संसाधनों को सामान्यतः नवीकरणीय और अनवीकरणीय संसाधनो में वर्गीकृत किया जा सकता है।
6. ऐसे संसाधन, जो प्रकृति में असीमित माता में उपलब्ध है जिनको प्राकृतिक प्रक्रियाओं द्वारा या मानव द्वारा नवीकृत अथवा पुनः पूरित किया जा सकता है नवीकरणीय संसाधन (Renewable Resources) कहलाते हैं
7. सूर्य प्रकाश, पवन, वायु आदि कभी न समाप्त होने वाले संसाधन है।
8. नवीकरणीय संसाधन को अक्षयशील संसाधन भी कहते हैं क्योंकि ये पृथ्वी पर असीमित माता में उपलब्ध है।
9. ऐसे प्राकृतिक संसाधन जो भूतकाल में निर्मित हुए हैं तथा जिनका भंडार सीमित माता में हैं अनवीकरणीय संसाधन (Non Renewable Resources) कहलाते हैं।
10. प्रकृति में उपलब्ध धातुएँ और जीवाश्मी ईधन (कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस) अनवीकरणीय संसाधन है।
11. जब प्रकृति में उपलब्ध किसी पदार्थ का मूलरूप मानव द्वारा अपनी उपयोगिता के आधार पर बदल दिया जाता है तो वह मानव निर्मित संसाधन कहलाता है।

12. मनुष्य स्वयं भी एक विशिष्ट प्रकार का संसाधन है। अतः लोगों को 'मानव संसाधन' कहा जाता है। मानव द्वारा प्रकृति का बेहतर उपयोग तभी किया जा सकता है जब उसके पास ज्ञान, कौशल और तकनीकि उपलब्ध हो।

13. 'तकनीकि' भी एक मानव निर्मित संसाधन है।

14. संसाधन संरक्षण का अर्थ संसाधनो के प्रयोग को पूर्णतः रोकना नहीं है बल्कि इस प्रकार से उपयोग करना है कि वर्तमान पीढी के साथ-साथ भावी पीढी भी इनसे लाभान्वित हो सके। ऐसा विकास 'सतत पोशणीय विकास' (Sustainable Development) कहलाता है।

15. भारत सरकार के अधीन शिक्षा मंत्रालय है। सन् 1985 में इस मंत्रालय की स्थापना लोगों के कौशल को बढाने के लिए की गई है।

16. 5-P का अर्थ लोग (People), ग्रह (Planet), समृद्धि (Prosperity) शान्ति (Peace) और भागीदारी (Partnership) है।

17. कुछ संसाधनों की प्राप्ति सभी जगह होती है, उन्हे सर्वव्यापक संसाधन कहते हैं। जैसे सूर्य प्रकाश एवं वायु आदि

18. कुछ संसाधन किसी विशेष क्षेत्र में ही पाए जाते हैं, उन्हें स्थानिक संसाधन कहते हैं। जैसे- धातुएँ, उपजाऊ भूमि आदि।

भारत : कृषि एवं सिंचाई

कक्षा - 8
पाठ - 2

Paras Jain Chitrakoot

1. कृषि से तात्पर्य केवल खेती या फसलें उत्पन्न करना ही नहीं होता है। कृषि के अन्तर्गत पशुपालन, मुर्गीपालन, मधुमक्खी पालन, रेशमकीट पालन, झींगा पालन, बागवानी और मत्स्यपालन भी आता है।

2. हमारा भारत एक कृषि प्रधान देश है। हमारे देश में लगभग 55 प्रतिशत लोग कृषि पर निर्भर हैं। देश की कुल राष्ट्रीय आय का लगभग 17 प्रतिशत कृषि से प्राप्त होता है।

3. हमारे देश में पैदा होने वाली फसलों को तीन वर्गों में रखा जाता है

(i) खाद्यान्न फसलें

उदाहरण - गेहूँ, चावल, जौ, चना, मटर, दालें, ज्वार, बाजरा आदि।

(ii) नकदी फसलें

उदाहरण - गन्ना, कपास, जूट, तिलहन, तम्बाकू आदि।

(iii) पेय एवं बागाती फसलें

उदाहरण - चाय, कहवा, रबड़, गर्म-मसाले, आदि।

4. बोने एवं काटने के समय के आधार फसले तीन प्रकार की होती हैं-

(i) रबी की फसल (जाड़े के प्रारम्भ में बोना और ग्रीष्म ऋतु के प्रारम्भ में काटना)

उदाहरण - गेहूँ, चना, जौ, मटर, ~~सरसों~~ सरसों, अलसी एवं राई आदि

(ii) खरीफ की फसल (वर्षा ऋतु के प्रारम्भ में बोना व शीत ऋतु के प्रारम्भ में काटना)

उदाहरण - धान, मक्का, ज्वार, मूँग, जूट, मूँगफली आदि।

(iii) जायद की फसले (मार्च, अप्रैल में बोना, उपज तैयार होने पर प्राप्त करना)

उदाहरण - तरबूज, खरबूज, ककड़ी, सब्जियाँ आदि।

5. भारत, विश्व का लगभग 22 प्रतिशत चावल का उत्पादन करता है। चीन के बाद भारत का विश्व में चावल उत्पादन में दूसरा स्थान है।

6. विश्व के गेहूँ उत्पादक देशों में भारत का चीन के बाद दूसरा स्थान है।

7. भारत में उत्तर प्रदेश राज्य का गेहूँ उत्पादन में प्रथम स्थान है।

8. विश्व में चीन के लोगों ने सबसे पहले चाय पीनी शुरू की थी।

9. उन्नत किस्म के बीज, खाद, सिंचाई तथा आधुनिक यंत्रो के उपयोग द्वारा कृषि उपज में तीव्र गति से वृद्धि को हरित क्रान्ति कहते हैं।

10. भारत में डॉ एम॰ एस॰ स्वामीनाथन को हरित क्रान्ति का जनक कहा जाता है।

11. 'हरित क्रान्ति' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग डॉ विलियम गॉड ने किया।

12.

क्रान्ति का नाम	उत्पाद
हरित क्रान्ति	कृषि उत्पादन (गेहूँ)
श्वेत क्रान्ति	दुग्ध उत्पादन
पीली क्रान्ति	तिलहन उत्पादन
गोल क्रान्ति	आलू उत्पादन
नीली क्रान्ति	मत्स्य उत्पादन
गुलाबी क्रान्ति	झींगा उत्पादन
धूसर क्रान्ति	उर्वरक उपभोग
रजत क्रान्ति	अण्डा उत्पादन
इन्द्रधनुषी क्रान्ति	सभी क्रान्तियों का समेकन
सदाबहार क्रान्ति	आर्गेनिक फार्मिंग को बढ़ावा

13. खेती के लिए जैविक खाद सर्वोत्तम खाद है।

14. छोटे-छोटे टुकड़ों में बिखरे खेतों में सही ढंग से खेती नहीं की जा सकती साथ ही लागत भी ज्यादा लगती है इसलिए चकबंदी द्वारा किसानों की दूर-दूर बिखरी जोतों को एक चक के रूप में बदल दिया जाता है।

15. राष्ट्रीय आय किसी राष्ट्र में एक वर्ष के दौरान उत्पादित वस्तुओं व सेवाओं का सकल (कुल) मूल्य होती है।
यह किसी भी देश के विकास के स्तर को बताती है।

16. दूसरों के उपयोग अर्थात विक्रय के लिए उत्पादित फसल जिससे नकद आय की प्राप्ति होती है, नगदी फसल कहते हैं।

17. सरबती, सोनारा, कल्याण सोना, हीरा - गेहूँ की उन्नत किस्मों के नाम हैं।

18. आई आर, ताइचुंग 65, जया, पद्मा, पंकज, जमुना, साबरमती - धान की उन्नत किस्मों के नाम हैं।

19. आजकल सिंचाई की नवीन पद्धति ड्रिप (टपक) सिंचाई और स्प्रिंकलर (छिड़काव) सिंचाई भी प्रचलित हो रही हैं।

20. विशिष्टीकृत कृषि शब्दावली ⇒

(i) एग्रीकल्चर - मृदा की जुताई, फसलों को उगाना और पशुपालन का विज्ञान एवं कला है।

(ii) पिसीकल्चर - व्यापारिक स्तर पर मत्स्य पालन

(iii) सेरीकल्चर - सिल्क (रेशम) का उत्पादन

(iv) विटीकल्चर - व्यापारिक स्तर पर अंगूर का उत्पादन

(v) फलोरीकल्चर - फूलों की कृषि

(vi) एपीकल्चर - मधुमक्खी पालन

(vii) ओलेरीकल्चर - जमीन पर फैलने वाली (लतादार) सब्जियों की कृषि

21. जो कृषि केवल स्थानीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए की जाती है उसे निर्वाह कृषि कहा जाता है।

Paras Jain (A.T.)
U.P.S.Choraha Binaura
Chitrakoot

भारत : खनिज सम्पदा

कक्षा - 8
पाठ - 3

1. वे वस्तुएँ जो खोद कर धरातल से निकाली जाती हैं, उन्हें खनिज पदार्थ कहते हैं।
2. जहाँ धरातल से खोद कर खनिज को निकाला जाता है उसे खान कहते हैं।
3. खनिज पदार्थ जिन कच्ची, धातुओं से मिलकर बना होता है उन्हें अयस्क (Ore) कहते हैं।
4. खनिज पदार्थ दो प्रकार के होते हैं -
   (i) धात्विक खनिज (ii) अधात्विक खनिज
5. लोहा, ताँबा, सोना, चाँदी, एल्यूमीनियम आदि धात्विक खनिज हैं।
6. कोयला, खनिज तेल, अभ्रक, गन्धक, पोटाश आदि अधात्विक खनिज हैं।
7. मैग्नेटाइट, हेमेटाइट, लिमोनाइट, सिडेराइट आदि लौह अयस्क हैं।
8. विश्व का लगभग एक चौथाई लौह भण्डार भारत में है। कर्नाटक, झारखण्ड तथा उड़ीसा, उत्तम किस्म के लौह भण्डारों में हैं।
9. बॉक्साइट, एल्यूमिनियम का अयस्क है।
10. मध्य प्रदेश तथा महाराष्ट्र राज्यों से देश का अधिकांश मैंगनीज प्राप्त किया जाता है।
11. एल्यूमिनियम धातु का उपयोग वायुयान, विद्युत तार, मशीनों के कल पुर्जे, फर्नीचर, वाहन तथा बर्तन निर्माण आदि में किया जाता है।
12. भारत, विश्व का सबसे अधिक अभ्रक उत्पादन करता है।
13. आन्ध्र प्रदेश, भारत का सबसे प्रमुख अभ्रक उत्पादन राज्य है।
14. मध्य प्रदेश तथा राजस्थान से संगमरमर प्राप्त किया जाता है।
15. चाँदी तथा जस्ता, राजस्थान से प्राप्त किया जाता है।
16. भारत में सोना कर्नाटक (कोलार जिले में सर्वाधिक), झारखण्ड में पाया जाता है

भारत : शक्ति के साधन

कक्षा - 8
पाठ - 4

Paras Jain Chitrakoot

1. करोड़ों वर्ष पहले कोयले का निर्माण पेड़-पौधों के अपघटित होकर दलदलों में जमने से हुआ। गरमी, दबाव, रासायनिक क्रियाओं आदि के फलस्वरूप जीवाश्म से कोयला एवं खनिज तेल बन गया।

2. कोयला चार प्रकार का होता है -
पीट, लिग्नाइट, बिटुमिनस और एन्थ्रासाइट

3. भारत में कोयला झारखण्ड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश असोम, मेघालय, आन्ध्र प्रदेश, गोवा में पाया जाता है।

4. कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस ऐसे जीवाश्मी शक्ति के साधन है, जो अनवीकरणीय होते हैं। इनका अधिक उपयोग करने से निकट भविष्य में इनके समाप्त हो जाने की सम्भावना है।

5. परमाणु ऊर्जा को हम परमाणु नाभिक के विखण्डन से प्राप्त करते हैं।

6. परमाणु ऊर्जा के महत्वपूर्व स्रोत - यूरेनियम, थोरियम जैसे आणविक खनिज हैं।

7. हमारे देश में झारखण्ड, मेघालय, तेलंगाना, आन्ध्र प्रदेश और राजस्थान में यूरेनियम के भण्डार हैं।

8. केरल के तट पर पाई जाने वाली मोनाजाइट बालू से थोरियम प्राप्त किया जाता है। जिसे अणुशक्ति बनाने में उपयोग किया जा सकता है।

9. भारत में शान्तिपूर्ण प्रयोग के लिए परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम की शुरुआत 10 अगस्त 1948 को परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना के साथ हुई।

10. भारतीय वैज्ञानिक डॉ होमी जहाँगीर भाभा के निर्देशन में 1954 में परमाणु ऊर्जा विभाग की स्थापना की गई।

11. सूर्य से प्राप्त होने वाली ऊष्मा से जो शक्ति प्राप्त की जाती है, उसे सौर ऊर्जा कहते हैं।

12. सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता को वर्तमान 4 गीगावाट से बढाकर 100 गीगावाट करना "भारत जलवायु कार्ययोजना - 2030" का लक्ष्य है।

13. हम सौर ऊर्जा से सोलर कुकर, सोलर लाइट, सोलर हीटर आदि चलाते हैं।

14.

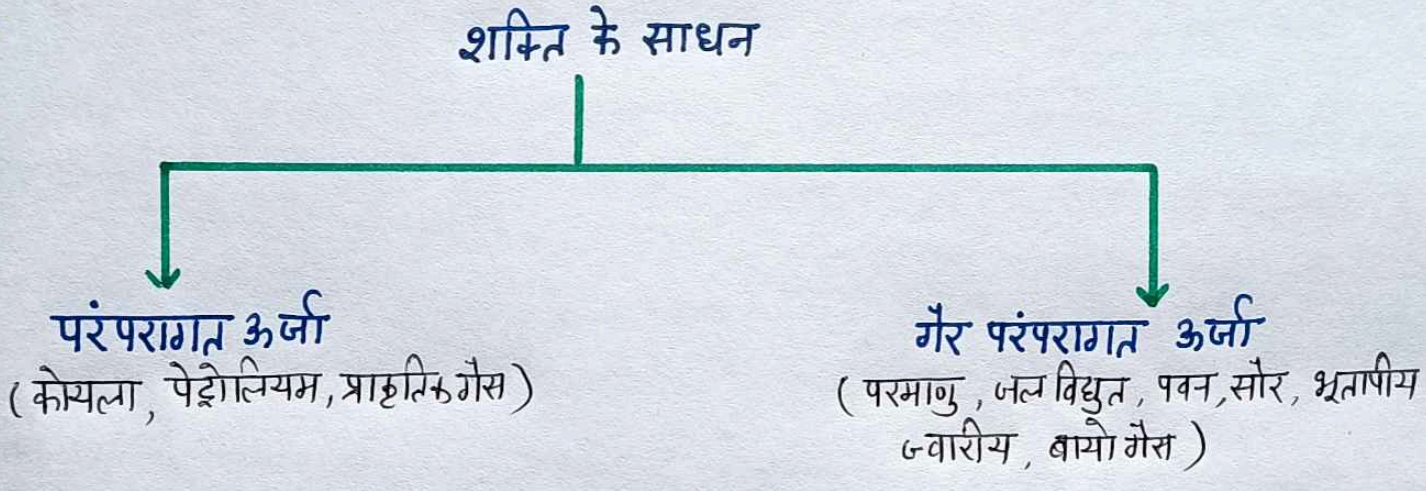

15. **भारत के प्रमुख ऊर्जा उत्पादक केन्द्र (परमाणु ऊर्जा)**

- तारापुर (महाराष्ट्र)
- रावतभाटा (राजस्थान)
- कलपक्कम (तमिलनाडु)
- नरौरा (उत्तर प्रदेश)
- काकरपारा (गुजरात)
- कैगा (कर्नाटक)
- कुडनकुलम (तमिलनाडु)

भारत : उद्योग-धन्धे

कक्षा-8
पाठ-5

Paras Jain Chitrakoot

1. कृषि कार्य के द्वारा उद्योग-धन्धों के लिए कच्चा माल प्राप्त होता है। कृषि से प्राप्त कच्चे माल का उपयोग उद्योग-धन्धों में विभिन्न उत्पादों को तैयार करने हेतु किया जाता है। उद्योग, कृषि को आधुनिक उपकरण, रासायनिक खाद आदि उपलब्ध कराते हैं। इस प्रकार से कृषि एवं उद्योग एक दूसरे पर आश्रित हैं।

2. **कोई वस्तु किसी उद्योग के लिए अंतिम उत्पाद है तो किसी अन्य उद्योग के लिए कच्चा माल।**

3. आधुनिक अर्थव्यवस्था में उद्योगों को उनके स्तर के अनुसार तीन भागों में विभक्त किया गया है-
   (i) लघु उद्योग (ii) कुटीर उद्योग
   (iii) भारी उद्योग

4. टाटा आयरन एवं स्टील कम्पनी झारखण्ड राज्य के जमशेदपुर नगर में स्थित है। इसकी स्थापना जमशेद जी टाटा ने 1907 में की थी। यह निजी क्षेत्र की लौह इस्पात बनाने की सबसे बड़ी कम्पनी है।

5. **अहमदाबाद सूती वस्त्र उद्योग के लिए प्रसिद्ध है। इसे भारत का मानचेस्टर कहते हैं।**

6. जापान देश के ओसाका नगर को जापान का मानचेस्टर कहते हैं।

7. सिलिकॉन घाटी, संयुक्त राज्य अमेरिका के कैलिफोर्निया में स्थित है।

8. **सिलिकॉन घाटी में संयुक्त राज्य अमेरिका की सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़ी बड़ी-बड़ी कई हजार कम्पनियाँ स्थित है। इनमें एप्पल, इण्टेल, ह्यूलेट पैकर्ड (H.P.) आदि प्रमुख हैं।**

9. कर्नाटक की राजधानी बंगलुरू को भारत की सिलिकॉन घाटी कहा जाता है।

10. विश्व भर में भारत के सॉफ्टवेयर विशेषज्ञों की बड़ी प्रतिष्ठा और माँग है।

11. रेलगाड़ी के इंजन, चितरंजन (पश्चिम बंगाल), वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में बनते हैं।

12. रेल के डिब्बे, श्रीपेरम्बदूर (तमिलनाडु) व कपूरथला (पंजाब) में बनते हैं।

13. जिन देशों में अधिक मात्रा में उच्च कोटि के उद्योग स्थापित हैं, उच्च शिक्षा, जीवन जीने का उच्च स्तर, एवं उच्च स्वास्थ्य सुविधाएँ आदि हैं वे सभी विकसित देश हैं।

14. जापान एक विकसित देश है जबकि भारत एक विकासशील देश की श्रेणी में आता है।

15. जिन देशों में उद्योग-धन्धों, बेहतर स्वास्थ्य व शिक्षा का पर्याप्त विकास नहीं हो सका है और वे देश इसके लिए प्रयासरत हैं, विकासशील देश कहलाते हैं।

भारत : यातायात, व्यापार एवं संचार

कक्षा - 8 पाठ - 6

1. जिन साधनो द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान तक व्यक्ति व वस्तुओं का आवागमन होता है, उन्हें 'यातायात के साधन' कहते हैं।

2. यातायात के साधनों को तीन भागों में बाँटते हैं -

   स्थल मार्ग के साधन - जो साधन, जमीन पर चलते हैं।

   जल मार्ग के साधन - जो साधन, पानी पर तैरते हैं।

   वायु मार्ग के साधन - जो साधन, हवा में उड़ते हैं।

3. भारत में पहली रेलगाड़ी सन् 1853 में 'मुम्बई से थाने' तक 34 किमी लम्बे मार्ग पर चलाई गई थी।

4. शेरशाह सूरी ने कोलकाता से पेशावर तक शाही राजमार्ग का निर्माण कराया था। इसे ही ब्रिटिश काल से ग्राण्ड ट्रंक रोड (जी० टी० रोड) के नाम से जाना जाता है। वर्तमान में यह अमृतसर से कोलकाता के बीच विस्तृत है।

5. राष्ट्रीय राजमार्ग - 7, भारत का सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग है जिसे अब NH-44 कहा जाता है यह उत्तर में श्रीनगर से शुरू होता है और दक्षिण में कन्याकुमारी में समाप्त होता है

6. गंगा नदी पर प्रयागराज व हल्दिया के बीच 1620 किमी लम्बा राष्ट्रीय जलमार्ग (NW-1) संख्या 1 है। यह भारत का सबसे पहला एवं सबसे बड़ा राष्ट्रीय जल मार्ग है। यह जलमार्ग गंगा - भागीरथी - हुगली नदी तंत्र में स्थित है।

7. समुद्र तट का वह स्थान जहाँ पर पानी के जहाज आकर खड़े होते हैं और यात्री व माल उतारते - चढ़ाते हैं पत्तन कहलाते हैं।

8. हमारे देश का लगभग 95 प्रतिशत विदेशी व्यापार समुद्री मार्ग से ही होता है।

9. भारत की लगभग 7516 किमी लम्बी तटरेखा पर 12 प्रमुख और लगभग 200 अन्य पत्तन हैं।

10. बड़े-बड़े पत्तनों (बन्दरगाहों) की देखभाल केन्द्र सरकार की जिम्मेदारी है जबकि अन्य पत्तनों की देखभाल वहाँ की राज्य सरकार करती है।

11. भारत में हवाई जहाज की प्रथम उड़ान सन् 1911 में प्रयागराज से नैनी के मध्य हुई थी।

12. सन् 1953 से भारतीय वायु यातायात की व्यवस्था केन्द्र सरकार ने अपने हाथ में ली। भारत में एयर इण्डिया के अतिरिक्त अनेक निजी कम्पनियाँ भी विमान सेवाएँ दे रही हैं।

13. वस्तुओं और सेवाओं के खरीदने व बेचने की इस प्रक्रिया को व्यापार कहते हैं।

14. जब हमारा देश अपनी आवश्यकता की कोई वस्तु, किसी दूसरे देश से खरीदता है तो उसे आयात (Import) कहते हैं।

15. जब हमारा देश में आवश्यकता से अधिक पैदा हुई या बनी हुई वस्तु को जब किसी दूसरे देश को बेचता है तो उसे निर्यात (Export) कहते हैं।

16. दो देशों के बीच व्यापार अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार कहलाता है।

17. भारत के विदेशी व्यापार का लगभग 98 प्रतिशत जलमार्ग (पत्तनों) द्वारा तथा शेष 2 प्रतिशत स्थल मार्ग एवं वायु मार्ग द्वारा होता है।

18. भारत अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक सॉफ्टवेयर महाशक्ति के रूप में उभरा है तथा सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से अत्याधिक विदेशी मुद्रा अर्जित कर रहा है।

19. अपने दोस्त या रिश्तेदार के पास बिना गए या बिना किसी को उन तक भेजे कोई सूचना या जानकारी देने व विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए जिन साधनों का प्रयोग करते हैं वे सभी संचार के साधन है।

20. भारत में डाक प्रणाली की शुरुआत 1766 में हुई थी।

21. भारतीय दूर संचार व्यवस्था एशिया में सबसे आगे है।

22. टेलीकान्फ्रेन्सिंग और वीडियो कान्फ्रेन्सिंग द्वारा हम बहुत दूर बैठे किसी व्यक्ति से इस प्रकार बात कर लेते हैं, जैसे वह हमारे सामने बैठा हो।

23. ऑप्टिक फाइबर आपके बालों जितने महीन, खोखले तार होते हैं।

24. आजकल संचार को और अधिक तीव्रगामी एवं भेजे गए सिग्नलों की गुणवत्ता को शुद्ध बनाए रखने के लिए ऑप्टिकल फाइबर तकनीकी का उपयोग किया जा रहा है।

25. विश्व व्यापार संगठन (W.T.O.) व्यापारिक मामलो की विश्वस्तरीय संस्था है जिसके भारत सहित अनेक देश सदस्य हैं।

26. विश्व व्यापार संगठन (W.T.O.) का मुख्यालय जिनेवा, स्विटजरलैंड में है।

27. www का विस्तारित रूप 'world wide web' है।

28. भारत के 'इनसेट' श्रृंखला के उपग्रह, संचार कार्यक्रम में सहयोग कर रहे हैं।

भारत : मानव संसाधन

कक्षा - 8
पाठ - 7

Paras Jain Chitrakoot

1. जनसंख्या की वह स्थिति, अनुकूलतम जनसंख्या कहलाती है जो देश में उपलब्ध भूमि, सुविधाओं एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनो पर दबाव न डालती हो।
2. वर्ष 2011 में भारत की कुल जनसंख्या लगभग 121 करोड़ थी जबकि उत्तर प्रदेश की जनसंख्या 19.9 करोड़ थी।
3. विश्व में चीन के बाद सबसे अधिक जनसंख्या भारत की ही है।
4. प्रति एक हजार की जनसंख्या पर जन्मे जीवित बच्चों की संख्या को **जन्मदर** कहते हैं जबकि प्रति एक हजार की जनसंख्या पर मरने वालों की संख्या को **मृत्युदर** कहते हैं।
5. लिंगानुपात, प्रति हजार पुरुषों के पीछे स्त्रियों की संख्या से व्यक्त किया जाता है।
6. भारत जनगणना 2011 के अनुसार भारत का लिंगानुपात 943 है।
7. मानव के विकास के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण घटक है।
8. स्वतन्त्रता के समय भारत की जनसंख्या का केवल दसवां भाग ही साक्षर था। वर्ष 2011 में देश की 73% जनसंख्या साक्षर थी जबकि उत्तर प्रदेश की 67.7% जनसंख्या ही साक्षर थी।
9. प्रति वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में निवास करने वाले व्यक्तियों की संख्या ही उस क्षेत्र का जनसंख्या घनत्व कहलाता है।
10. भारत विश्व में चीन के बाद दूसरा सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है। यहाँ विश्व के लगभग 2.4% क्षेत्रफल में 16.7% जनसंख्या निवास करती है।
11. भारत में जनसंख्या वृद्धि के कारण –
    (i) अशिक्षा
    (ii) परम्परागत विचार
    (iii) मृत्यु दर में कमी
    (iv) उष्ण जलवायु
    (v) अन्य देशो से स्थानांतरण

12. अधिक जनसंख्या के कारण कुपोषण, बेरोजगारी, अशिक्षा, संसाधनो का अधिक शोषण, पर्यावरण प्रदुषण आदि समस्याएँ उत्पन्न हो जाती है। ऐसी स्थिति में जनसंख्या का गुणात्मक पक्ष अर्थात जीवन की गुणवत्ता घटती है।

13. 1981 के बाद भारत की जनसंख्या वृद्धि में क्रमिक कमी हुई है।

14. किसी स्थान विशेष को छोड़कर जनसंख्या के अन्यत्र चले जाने को जनसंख्या का स्थानांतरण कहते हैं।

15. भारत में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत 2001 में 27.8 था, यह 2011 की जनगणना के अनुसार बढकर 31.2 % हो गया है।

उत्तर प्रदेश - अर्थव्यवस्था एवं मानव संसाधन

कक्षा-8 पाठ-8

Paras Jain Chitrakoot

1. उत्तर प्रदेश का क्षेत्रफल भारत के कुल क्षेत्रफल का 7.33 प्रतिशत है। इस दृष्टि से राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र राज्यों के बाद इसका चौथा स्थान है।
2. जनसंख्या की दृष्टि से यह भारत का अग्रणी राज्य है। यहाँ भारत की कुल जनसंख्या की 16.5 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है।
3. उत्तर प्रदेश राज्य का अधिकांश भाग मैदानी है, जो उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी से बना है। तराई क्षेत्र की समतल, नम और दलदली मिट्टी भी कृषि हेतु महत्वपूर्ण है।
4. हमारे प्रदेश की जलवायु मानसूनी है।
5. कुल खाद्यान्न उत्पादन की दृष्टि से अन्य राज्यों की तुलना में उत्तर प्रदेश का प्रथम स्थान है। गेहूँ, गन्ना, आलू, आम व ऑवला उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश अग्रणी राज्य है।
6. दुग्ध उत्पादन में उत्तर प्रदेश राज्य सर्वोच्च स्थान पर है।
7. शारदा नहर हमारे प्रदेश की सबसे लम्बी नहर है।
8. जनगणना 2011 के अनुसार उत्तर प्रदेश की कुल जनसंख्या लगभग 19.98 करोड़ है। इनमें 52.29 प्रतिशत पुरुष एवं 47.71 प्रतिशत महिलाएँ हैं।
9. सम्पूर्ण विश्व में केवल 4 देश ही ऐसे है जिनकी जनसंख्या उत्तर प्रदेश से अधिक है। ये देश चीन, भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका एवं इण्डोनेशिया है
10. उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए 1981 में उद्योग बन्धु योजना की शुरुआत की गई।
11. ललितपुर जनपद में यूरेनियम की खोज की गई।
12. 1976 में प्रदेश के प्रथम औद्योगिक विकास प्राधिकरण के रूप में नोएडा की स्थापना की गई। इसके बाद प्रदेश में कई अन्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण के रूप में - जौनपुर मे सीडा, गोरखपुर में गीडा, भदोही में बीडा आदि की स्थापना की गई।

सूती वस्त्र उद्योग → कानपुर, वाराणसी

कालीन उद्योग → भदोही

सीमेण्ट उद्योग → चुर्क, डाला

इलेक्ट्रॉनिक उद्योग → नोएडा, लखनऊ

चमड़ा उद्योग → कानपुर, आगरा

वनस्पति तेल उद्योग → कानपुर, मोदी नगर, मेरठ

खेल का सामान → मेरठ

ताला उद्योग → अलीगढ़

पीतल उद्योग → मुरादाबाद

काँच उद्योग → फिरोजाबाद

प्राकृतिक प्रदेश एवं जनजीवन - 1 & 2

कक्षा-8
पाठ- 9, 10

1. वह विस्तृत क्षेत्र जिसमें जलवायु, मृदा, वनस्पतियों में औसत एकरूपता पाई जाती है, प्राकृतिक प्रदेश कहलाता है।
2. जलवायु की विविधता के आधार पर विश्व को निम्नलिखित प्राकृतिक प्रदेशों में बाँटा गया है -

(i) उष्णकटिबन्धीय प्रदेश
- (a) विषुवतरेखीय प्रदेश
- (b) सवाना प्रदेश
- (c) मानसूनी प्रदेश
- (d) मरूस्थलीय प्रदेश

(ii) शीतोष्ण कटिबन्धीय प्रदेश
- (a) भूमध्यसागरीय प्रदेश
- (b) घास के मैदान
- (c) मध्य अक्षांशीय मरूस्थल
- (d) पश्चिमी यूरोप तुल्य प्रदेश
- (e) चीन तुल्य या सेण्टलोरेन्स तुल्य प्रदेश

(iii) शीत कटिबन्धीय प्रदेश
- (a) टैगा प्रदेश
- (b) टुण्ड्रा प्रदेश

3. रूस में शीतोष्ण घास के मैदान को स्टेपी कहते हैं।
4. उत्तरी अमेरिका में रॉकी पर्वत के पूर्वी ढ़ालो से लेकर बड़ी झीलों तक विशाल घास के मैदान को प्रेयरी प्रदेश कहते हैं।
5. शीतोष्ण घास प्रदेश क्षेत्र में सघन घास उगती है तो टैगा क्षेत्र में सघन वृक्ष पाए जाते है।
6. एशिया के स्टेपी प्रदेश में जंगली घोड़े, उत्तरी अमेरिका के प्रेरीज प्रदेश में कुत्ते व तेजी से भागने वाले बाईसन, दक्षिणी अमेरिका के पम्पाज में जंगली भैंसा, पम्पा हिरण, रीया पक्षी, आस्ट्रेलिया में इमू, कंगारू, कोका बुर्रा आदि विशिष्ट जीव-जन्तु पाए जाते हैं।
7. शीतोष्ण घास के मैदान खाद्यान्न उत्पादन एवं दुग्ध उत्पादन के लिए विश्वविख्यात है जबकि भूमध्य सागरीय प्रदेश फलों के उत्पादन के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं।

Paras Jain Chitrakoot

8. सी-सी नामक जहरीली मक्खी के काटने से मनुष्य को नींद की बीमारी हो जाती है।

9. गिनी तट को बीमारियों के कारण श्वेत निवासियों की कब्र कहा जाता है।

10. ब्राजील में संसार के सबसे अधिक क्षेत्रफल पर सदाबहार वन पाए जाते है तथा सबसे अधिक कहवा उत्पन्न करता है।

11. हमारे देश भारत में मानसूनी पवनों द्वारा वर्षा होने के कारण भारत की जलवायु को मानसूनी जलवायु कहा जाता है।

12. मानसूनी प्रदेश भूमध्य रेखा के दोनों ओर 5° से 30° अक्षांसो के बीच महाद्वीपों के पूर्वी तट पर पाए जाते हैं।

13. मानसूनी प्रदेश संसार में दक्षिण-पूर्वी एशिया, अफ्रीका के पूर्वी तटवर्ती भाग, उत्तरी अमेरिका के खाड़ी तटीय भाग व पश्चिमी द्वीप समूह एवं मध्य अमेरिका तथा आस्ट्रेलिया के उत्तरी तटीय भाग में पाया जाता है।

14. मानसूनी प्रदेश की प्राकृतिक वनस्पतियों का अनुमान आप भारत की प्राकृतिक वनस्पतियों के आधार पर लगा सकते हैं। यहाँ सागौन, साखू, टीक, शीशम, महुआ, चन्दन, आम आदि प्रमुख वृक्ष पाए जाते हैं।

15. कराची, मुम्बई, कोलकाता, यांगून, सिंगापुर, जकार्ता, ढाका, काठमाण्डू कोलम्बो आदि मानसूनी प्रदेश के प्रमुख नगर हैं।

16. पश्चिमी-यूरोपीय तुल्य प्रदेश का विस्तार दोनो गोलार्द्धों में 40° से 60° अक्षांसो के मध्य महाद्वीपों के पश्चिमी किनारों पर पाया जाता है।

17. पश्चिमी यूरोपीय तुल्य प्रदेश में उत्तर-पश्चिमी यूरोप के अतिरिक्त कनाडा का ब्रिटिश कोलम्बिया प्रान्त, दक्षिण अमेरिका में चिली का दक्षिणी भाग एवं न्यूजीलैण्ड का दक्षिणी भाग शामिल है।

18. इस प्रदेश में वर्ष भर पछुआ पवनों के प्रभाव में रहता है। इसलिए यहाँ साल भर शीतोष्ण कटिबन्धीय चक्रवातों के कारण वर्षा होती है। वर्षा की मात्रा ग्रीष्म काल की तुलना में शीतकाल में अधिक होती है।

19. पश्चिमी यूरोप तुल्य प्रदेश में पर्णपाती वन पाये जाते हैं। इनमें ओक, एल्म बर्च, बीच, पोपलर, हार्नबीम जैसे पर्णपाती वृक्ष महत्वपूर्ण हैं।
इस प्रदेश में पहाड़ी ढालों एवं उत्तरी भागों में शंकुधारी वृक्ष पाये जाते हैं इन वनों में रेडवुड, लिन्डेन, फर स्प्रूस सिडार आदि वृक्ष पाय जाते हैं।

20. न्यूजीलैण्ड में भेड़ पालन व्यापारिक स्तर पर किया जाता है।

21. चीन तुल्य प्रदेश का विस्तार शीतोष्ण कटिबन्ध में महाद्वीपों के पूर्वी किनारों पर 25° से 40° अक्षांसो के मध्य पाया जाता है।

22. सेंट लारेंश तुल्य प्रदेश केवल उत्तरी गोलार्द्ध में महाद्वीपों के पूर्वी किनारों पर 45° से 65° उत्तरी अक्षांसों के मध्य पाये जाते हैं।

23. रॉबर्ट पियरे उत्तरी ध्रुव पर पहुँचने वाले पहले व्यक्ति थे जबकि एमण्डसन, दक्षिणी ध्रुव पर पहुँचने वाले पहले व्यक्ति थे।

24. संसार का शीत ध्रुव नगर बखोंयास्कोर इंस्ताबुल है।